भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.03.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4631 का उत्तर

चालू रेल परियोजनाओं में विलम्ब

4631. श्री नलीन कुमार कटील:
श्री एस.आर. पार्थिबन:
श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या चालू रेल परियोजनाओं के समापन में विलम्ब हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस विलम्ब के कारणों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को जानकारी है कि परियोजनाओं के निष्पादन में विलम्ब से रेलवे को भारी नुकसान होता है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

चालू रेल परियोजनाओं में विलम्ब के संबंध में दिनांक 24.03.2021 को लोक सभा में श्री नलीन कुमार कटील, श्री एस.आर. पार्थिबन और श्री बी.वाई. राघवेन्द्र के अतारांकित प्रश्न सं. 4631 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): 01.04.2020 की स्थिति के अनुसार, 7.5 लाख करोड़ रु. लागत की 53,039 किमी कुल लंबाई वाली 513 परियोजनाएं योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं जिसमें से 10,013 किमी को यातायात के लिए खोल दिया गया है और इन परियोजनाओं पर मार्च, 2020 तक 1.86 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) 4,04,853 करोड़ रु. की लागत से, 21,343 किमी कुल लंबाई की 189 नई लाइन परियोजनाएं, जिसमें से 2,633 किमी लंबाई को यातायात के लिए खोले जाने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और इन परियोजनाओं पर मार्च, 2020 तक 94,575 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

(ii) 59,699 करोड़ रु. की लागत से, 7,003 किमी कुल लंबाई की 54 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिसमें से 3,733 किमी लंबाई को यातायात के लिए खोले जाने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और इन परियोजनाओं पर मार्च, 2020 तक 23,405 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

(iii) 2,85,324 करोड़ रु. की लागत से, 24,693 किमी कुल लंबाई की 270 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिसमें से 3,647 किमी लंबाई को यातायात के लिए खोले जाने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और मार्च, 2020 तक 67,816 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

किसी भी परियोजना/ओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का अंतरण, विभिन्न प्राधिकारियों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिवर्तन के कारण परियोजना विशेष साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना के निष्पादन-समय

और लागत को प्रभावित करते हैं जिसका अंतिम मूल्यांकन परियोजना/ओं के पूरा होने के समय किया जाता है।

(ङ): रेल परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में (i) परियोजनाओं का प्राथमिकीकरण (ii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर धन के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि (ii) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (iv) विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से निगरानी और (v) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल है।

नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण कार्यों के लिए भारतीय रेलवे में औसत वार्षिक बजट आबंटन को 2009-14 के दौरान 11,527 करोड़ रुपए/वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 26,026 करोड़ रुपए/वर्ष कर दिया गया है जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 126% अधिक है और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इन परियोजनओं के लिए 40,757 करोड़ रु. का संशोधित बजट परिव्यय मुहैया कराया गया था जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 254% अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, इन कार्यों के लिए 45,165 करोड़ रु. का अब तक का अधिकतम परिव्यय प्रस्तावित किया गया है जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 292% अधिक है।

2014-19 के दौरान, 13,124 किमी लंबाई (3035 किमी नई लाइनें, 3,993 किमी आमान परिवर्तन और 6,096 किमी दोहरीकरण) को यातायात के लिए खोल दिया गया है जो 2009-14 के दौरान खोली की गई लाइनों (7599 किमी) से 73% अधिक है। 2019-20 के दौरान, 2,226 किमी (360 किमी नई लाइन, 408 किमी आमन परिवर्तन और 1458 किमी दोहरीकरण) को यातायात के लिए खोल दिया गया है जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक खोली गई लाइनों (1,520) से 46% अधिक है।

******